पठन सामग्री

नीला बटन
क्लिक/टच करें

खेल-खेल में आकलन

लाल बटन
क्लिक/टच करें

मुख्य सूची

हरा बटन
क्लिक/टच करें

Digital Hindi E-Grammar

Infographic Interactive Interesting

Save Paper-Save Environment

इन्फोग्राफिक डिजिटल हिन्दी ई-व्याकरण

प्रथम संस्करण

डॉ० विजय कुमार चावला

हिन्दी प्राध्यापक

030013

''हिन्दी अपनाएं, देश का मान बढ़ाएं''

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

लेखक की कलम से

मेरा मानना है कि आज के इस आधुनिक युग में हमें नवाचार तकनीक का प्रयोग करते हुए बच्चों को विषय का ज्ञान डिजिटल ई-कंटैंट देते हुए प्रदान करना चाहिए। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए मेरे द्वारा तैयार इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक से हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण का प्रथम संस्करण आप सभी के समक्ष प्रस्तुत है।इसे तैयार करने के पीछे मेरा उद्देश्य विद्यालय में हिन्दी के शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को आ रही दिक्कतों को दूर करना रहा है। आज विद्यालयों में लैंग्वेज लैब, टैब लैब, स्मार्ट कक्षा-कक्ष तो बनाए जा रहे हैं, परन्तु हिन्दी व्याकरण का पाठ्यक्रम से सम्बंधित ई-कंटेंट विद्यालयों में उपलब्ध नहीं है। परिणामस्वरूप मैंने, आई.सी.टी तकनीक का प्रयोग करते हुए हिन्दी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं को लैंग्वेज लैब,टैबलैब तथा स्मार्ट कक्षा-कक्ष के माध्यम से पढ़ाने के लिए हिन्दी व्याकरण को इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक से तैयार करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के चलते विद्यालय में पढ़ाई की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए डिजिटल ई-कंटेंट की अहम् भूमिका रही है। विद्यार्थियों की ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई ही एकमात्र युक्ति कारगर सिद्ध हुई है। अत: कोरोना महामारी के चलते मेरा इन्फोग्राफिक,इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक से हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण तैयार करने का लक्ष्य विद्यार्थियों को निःशुल्क डिजिटल ई-कंटेंट मुहैया करवाना भी रहा है। इस डिजिटल ई-व्याकरण में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम का पूरा ध्यान रखा गया है। इसके अतिरिक्त यह प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तथा विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के लिए भी बहुत लाभकारी सिद्ध होगी। इस ई-व्याकरण को सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित रूप में सचित्र प्रस्तुत करने की भी कोशिश की गई है। मेरा मानना है कि बिना रिवीजन के हमारी पूरी पढ़ाई बर्बाद हो सकती है। विज्युअली रिवाइज करने से हमारी स्मरण शक्ति बढ़ती है। विज्युअली रिवाइज करने का तरीका है- 'माइंड मैपिंग'। यह एक ऐसी नई तकनीक है,जो

हमें विषय को समझने और याद रखने में मदद करती है। मस्ती से भरी इस एक्टिविटी का इस्तेमाल हम नोट्स मेकिंग, ब्रेनस्टॉर्मिंग, अध्ययन, मेमराइजेशन में कर सकते हैं। आजकल यह तकनीक पढ़ी हुई चीजें याद रखने में बहुत सहायक हो रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने हिंदी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं को इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव माइंड मैपिंग के साथ प्रस्तुत करने का भी निर्णय लिया है। इसे बच्चे अपने मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर, लैंग्वेज लैब,टैबलैब तथा स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम आदि के माध्यम से प्रयोग कर सकते हैं और अपने व्याकरण का ज्ञान बढ़ा सकते हैं। हिन्दी की इस ई-व्याकरण में व्याकरण के सभी पहलुओं यथा वर्ण, शब्द,संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, उपसर्ग,प्रत्यय,पदबंध,वाक्य,संधि,समास,रस,शब्द शक्ति,काव्य गुण, छंद, कारक, वाच्य, अलंकार, उपसर्ग, प्रत्यय,विराम-चिहन आदि पर इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक से माइंड मैप तैयार किए हैं,जो बच्चों के लिए परीक्षा की पुनरावृत्ति में बहुत सहायक होंगे।विद्यार्थी सम्बंधित विषय पर जैसे ही क्लिक करेंगे,वे उस विषय की पठन सामग्री पर पहुँच जाएँगे। विद्यार्थी परीक्षा के दिनों में इन्फोग्राफिक माइंड मैप का प्रयोग करते हुए विषय को विज्युअली रिवाइज भी कर पाएँगे। हिन्दी की ई-व्याकरण जो इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक से तैयार की गई है,में क्यू आर कोड़ को स्कैन करते ही तथा दिए हुए लिंक को क्लिक करते ही विद्यार्थी विषय को रिवाइज करने के बाद खेल-खेल में अपना स्वयं का आकलन भी कर पाएँगे। विद्यार्थी ऑनलाइन खेलों यथा - भूलभुलैया , मिलान करो, ओपन द बॉक्स, गेम शो क्विज तथा क्विज़ के माध्यम से अपना आकलन भी कर पाएँगे। ऑनलाइन खेल समाप्त करते ही विद्यार्थी अपना स्कोरकार्ड भी देख पाएँगे। विद्यार्थियों के अंक उनके पास स्वत: ही आ जाएँगे। इसको तैयार करने में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जिसने भी मेरी सहायता की है, मैं उन सबका हृदय से आभारी हूँ। मेरा आप सभी से अनुरोध है कि इसमें यदि कोई टंकण या अन्य कोई त्रुटि मिले तो उस ओर मेरा ध्यान अवश्य आकृष्ट करें आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

डॉ विजय कुमार चावला, {030013}
हिन्दी प्राध्यापक,
राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, क्योड़क
जिला कैथल

टच या क्लिक करें
9416189435
vijaychawla95@gmail.com

इन्फोग्राफिक अनुक्रमणिका

वर्ण विचार
शब्द विचार
संज्ञा
सर्वनाम
विशेषण
क्रिया
अविकारी शब्द
कारक
उपसर्ग
प्रत्यय
संधि
समास
वाच्य विचार
पदबंध
वाक्य विचार
विराम चिह्न
रस
छंद
अलंकार
शब्द शक्ति
काव्य गुण

विशेष नोट:- किसी भी विषय पर जाने के लिए उस विषय से सम्बन्धित बॉक्स को टच या क्लिक करें।

खेल-खेल में आकलन
पठन सामग्री
कवर पेज

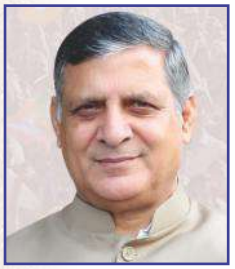

हिन्दी व्याकरण

कंवर पाल

अ. स. पत्र क्रमांक Sm.Secy/EM./03/2022

शिक्षा, वन, पर्यटन, संसदीय कार्य, कला एवं सांस्कृतिक मामले तथा सत्कार संगठन मंत्री, हरियाणा

दिनांक, चण्डीगढ़ 25/01/2022

Digital Hindi E-Grammar
Infographic Interactive Interesting
Save Paper-Save Environment

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,क्योड़क(2186) जिला कैथल में कार्यरत डॉ. विजय कुमार चावला,(030013) हिन्दी प्राध्यापक द्वारा हिन्दी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं को सरल,रोचक व सचित्र रूप से तैयार करते हुए हिन्दी व्याकरण की इंटरेक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ (इन्फोग्राफ़िक्स के साथ) का प्रथम संस्करण तैयार किया गया है।

डॉ.विजय कुमार चावला ने आई.सी.टी. तकनीक व उसके उपकरणों का सफल प्रयोग करते हुए हिन्दी व्याकरण को बेहद सरल तरीके से समझाया है। इन्फोग्राफिक मैपिंग, क्विज़ व लिंक के ज़रिए की गई प्रस्तुति ने इसे पठनीय व रोचक बना दिया है, निःसंदेह यह एक प्रशंसनीय कार्य है।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि आज के डिजिटल युग में हिन्दी व्याकरण की यह इंटरेक्टिव ई-लर्निंग सीरीज बच्चों व अध्यापकों की अपेक्षाओं पर पूर्ण रूप से खरा उतरेगी। इस सीरीज़ का प्रयोग करते हुए बच्चे बेहद सरल तरीके से खेल-खेल में स्वयं का मूल्यांकन भी कर पाएंगे।

मैं,डॉ.विजय कुमार चावला,(030013) को उनके द्वारा तैयार हिन्दी व्याकरण की इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज (इन्फोग्राफिक्स के साथ) के प्रथम संस्करण के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

कंवर पाल

शिक्षामंत्री, हरियाणा सरकार

हिन्दी
व्याकरण

Dr. J. Ganesan, IAS

D.O. No. PS/DGSE/2022/27

Spl. Secretary to Government, Haryana & Director General Secondary Education Haryana

Dated 07/02/2022

Digital Hindi E-Grammar
Infographic Interactive Interesting
Save Paper-Save Environment

सन्देश

बड़े ही हर्ष का विषय है कि राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, क्योड़क {2186}, ज़िला कैथल में कार्यरत हिन्दी प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार चावला {030013} द्वारा इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण का प्रथम संस्करण तैयार किया जा रहा है।मेरा मानना है कि आज के डिजिटल युग में पुस्तकों का डिजिटल और स्मार्ट होना बहुत जरुरी हो गया है।

इस सामयिक माँग की पूर्ति हेतु हिन्दी प्राध्यापक डॉ.विजय कुमार चावला चावला द्वारा आई.सी.टी तकनीक का प्रयोग करते हुए हिन्दी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं को जिस तरह इन्फोग्राफिक, इटरस्टिंग और इंटरेक्टिव तकनीक से तैयार करने का निर्णय लिया है,वह निःसंदेह एक काबिले तारीफ़ कार्य है। विद्यार्थी तथा अध्यापक अपने मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर, लैंग्वेज लैब, टैबलैब तथा स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम आदि के माध्यम से ना केवल इसका प्रयोग कर पाएँगे बल्कि अपने व्याकरण का ज्ञान भी बढ़ा पाएँगे।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि यह पूर्ण विश्वास है कि हिन्दी व्याकरण की यह इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ का प्रथम संस्करण बच्चों व अध्यापकों की अपेक्षाओं पर पूर्ण रूप से खरा उतरेगा।इस इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ का प्रयोग करते हुए बच्चे अध्ययन करते हुए अंत में खेल-खेल में क्यू आर कोड़ को स्कैन करते हुए तथा लिंक को करते हुए अपना स्वयं का आकलन भी कर पाएँगे।

मैं, डॉ.विजय कुमार चावला, हिन्दी प्राध्यापक को हिन्दी व्याकरण की इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ (इन्फोग्राफिक्स के साथ) के प्रथम संस्करण के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

निदेशक

2nd Floor, Shiksha Sadan, Sector-5, Panchkula
Phone: 0172-2560246, 2560253

Digital India

Pradeep Dahiya, I.A.S.
Deputy Commissioner, Kaithal

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

हिन्दी व्याकरण

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, क्योड़क(2186) जिला कैथल में कार्यरत डॉ विजय कुमार चावला, (030013) हिन्दी प्राध्यापक द्वारा हिन्दी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं को सरल,रोचक व सचित्र रूप से तैयार करते हुए हिन्दी व्याकरण की इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ (इन्फोग्राफ़िक्स के साथ) का प्रथम संस्करण तैयार किया गया है।

डॉ चावला द्वारा आई.सी.टी. तकनीक व उसके उपकरणों का सफल प्रयोग करते हुए हिन्दी व्याकरण के विभिन्न पहलुओं को जिस तरह इन्फोग्राफिक मैपिंग के ज़रिए,क्विज़ लिंक व अन्य लिंक के ज़रिए प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है, वह निःसंदेह एक काबिले तारीफ़ कार्य है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि यह पूर्ण विश्वास है कि हिन्दी व्याकरण की यह इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ का प्रथम संस्करण बच्चों व अध्यापकों की अपेक्षाओं पर पूर्ण रूप से खरा उतरेगा। इस इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ का प्रयोग करते हुए बच्चे अध्ययन करते हुए अंत में खेल-खेल में स्वयं का आकलन भी कर पाएँगे। मैं, डॉ विजय कुमार चावला,हिन्दी प्राध्यापक को हिन्दी व्याकरण की इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़(इन्फोग्राफिक्स के साथ) के प्रथम संस्करण के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रदीप दहिया, भा.प्र.से.
उपायुक्त, कैथल।

Anil Sharma
District Education Officer, Kaithal

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, क्योड़क(2186) जिला कैथल में कार्यरत डॉ. विजय कुमार चावला,(030013) हिन्दी प्राध्यापक द्वारा हिन्दी व्याकरण की इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ (इन्फोग्राफ़िक्स के साथ) का प्रथम संस्करण तैयार किया गया है।

डॉ.विजय कुमार चावला द्वारा आई.सी.टी. तकनीक व उसके उपकरणों का सफल प्रयोग करते हुए हिन्दी व्याकरण को इन्फोग्राफिक मैपिंग के ज़रिए प्रस्तुत करने का जो निर्णय लिया गया है,वह निःसंदेह एक प्रशंसा योग्य कार्य है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि यह पूर्ण विश्वास है कि आज के इस डिजिटल युग में हिन्दी व्याकरण की यह इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़ का प्रथम संस्करण बच्चों व अध्यापकों की अपेक्षाओं पर पूर्ण रूप से खरा उतरेगा।

मैं, डॉ.विजय कुमार चावला,(030013) हिन्दी प्राध्यापक को उनके द्वारा तैयार हिन्दी व्याकरण की इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सीरीज़(इन्फोग्राफिक्स के साथ) के प्रथम संस्करण के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

10/01/2022

अनिल शर्मा
ज़िला शिक्षा अधिकारी,कैथल

पठन सामग्री Links

वर्ण विचार	विशेषण	उपसर्ग	वाच्य विचार	रस	काव्य गुण
शब्द विचार	क्रिया	प्रत्यय	पदबंध	छंद	
संज्ञा	अविकारी शब्द	संधि	वाक्य विचार	अलंकार	
सर्वनाम	कारक	समास	विराम चिह्न	शब्द शक्ति	

हिन्दी व्याकरण

विशेष नोट:- किसी भी विषय पर जाने के लिए उस विषय से सम्बन्धित बॉक्स को टच या क्लिक करें।

खेल-खेल में आकलन

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

पठन सामग्री QR Code

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper Save Environment

1 VARAN VICHAR.pdf
वर्ण विचार

5 VISHESHAN.pdf
विशेषण

9 UPSARG.pdf
उपसर्ग

13 VACHAV.pdf
वाच्य विचार

17 RAS.pdf
रस

21 KAVYA GUN.pdf
काव्य गुण

2 SHABAD VICHAAR.pdf
शब्द विचार

6. KRIYA.PDF
क्रिया

10 PRATYAY.pdf
प्रत्यय

14 PADBANDH.pdf
पदबंध

18 CHHAND.pdf
छंद

3 SANGYA.pdf
संज्ञा

7 AVIKARI SHABAD.pdf
अविकारी शब्द

11 SANDHI.pdf
संधि

15 VAKYA VICHAAR.pdf
वाक्य विचार

19 ALANKAAR.pdf
अलंकार

4 SARVANAAM.pdf
सर्वनाम

8 KARAK.pdf
कारक

12 SMAAS.pdf
समास

16 VIRAM CHINHA.pdf
विराम चिह्न

20 SHABAD SHAKTI.pdf
शब्द शक्ति

विशेष नोटः- किसी भी विषय पर जाने के लिए उस विषय से सम्बन्धित बॉक्स को टच या क्लिक करें।

खेल-खेल में आकलन

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

खेल–खेल में आकलन Links

वर्ण विचार

विशेषण

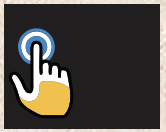
उपसर्ग

वाच्य विचार

रस

काव्य गुण

शब्द विचार

क्रिया

प्रत्यय

पदबंध

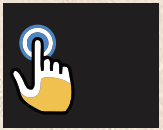
छंद

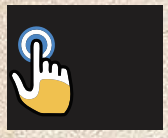
संज्ञा

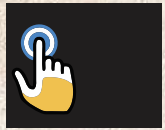
अविकारी शब्द

संधि

वाक्य विचार

अलंकार

सर्वनाम

कारक

समास

विराम चिह्न

शब्द शक्ति

विशेष नोटः– किसी भी विषय पर जाने के लिए उस विषय से सम्बन्धित बॉक्स को टच या क्लिक करें।

पठन सामग्री

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

खेल–खेल में आकलन QR Code

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

वर्ण विचार	विशेषण	उपसर्ग	वाच्य विचार	रस	काव्य गुण
शब्द विचार	क्रिया	प्रत्यय	पदबंध	छंद	
संज्ञा	अविकारी शब्द	संधि	वाक्य विचार	अलंकार	
सर्वनाम	कारक	समास	विराम चिह्न	शब्द शक्ति	

हिन्दी व्याकरण

विशेष नोटः– किसी भी विषय पर जाने के लिए उस विषय से सम्बन्धित बॉक्स को टच या क्लिक करें।

पठन सामग्री

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

शब्द विचार

परिभाषा : वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।

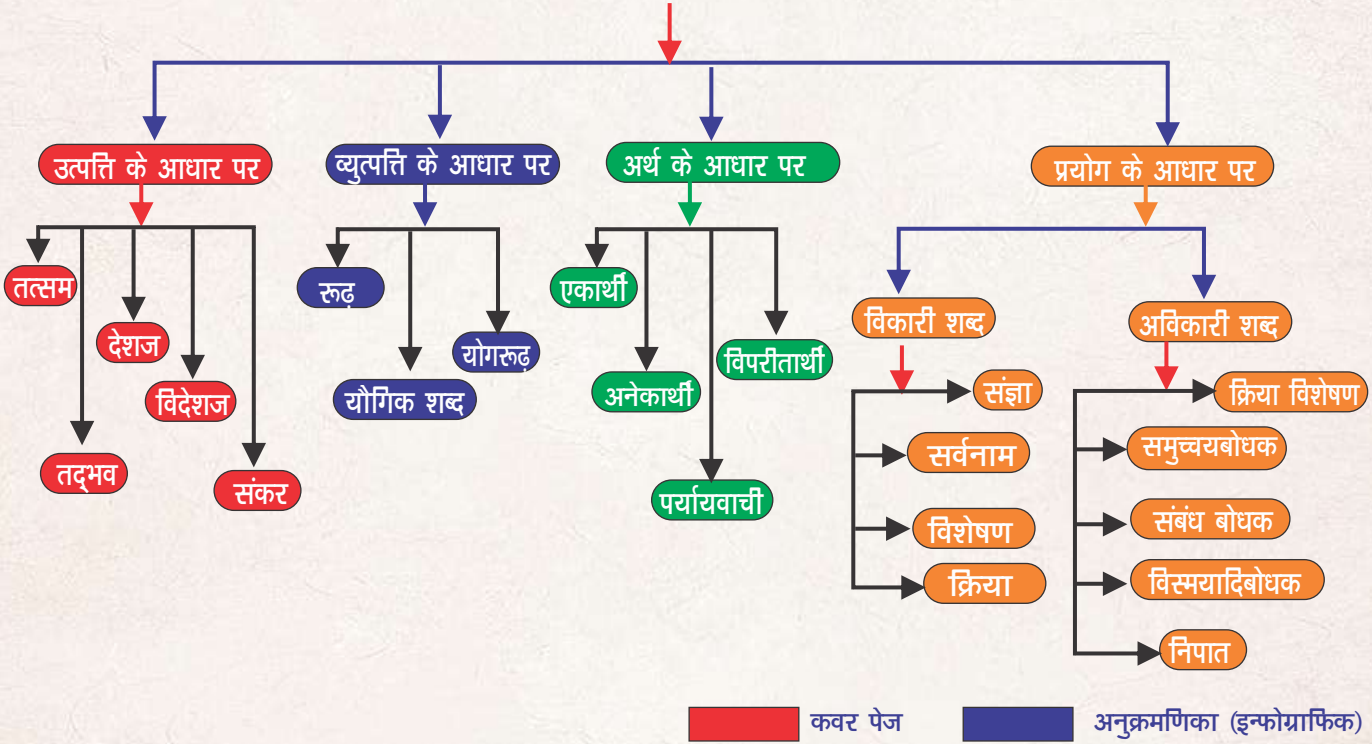

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

संज्ञा

व्यक्ति, वस्तु, स्थान
भाव का नाम

भेद–1 व्यक्तिवाचक संज्ञा

व्यक्ति विशेष का नाम – कृष्ण, राम
वस्तु विशेष का नाम – रामचरितमानस
स्थान विशेष का नाम – दिल्ली, भारत

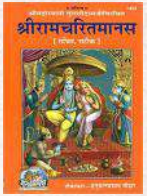

राम
व्यक्ति

पुस्तक

भेद–2 जातिवाचक संज्ञा

घोड़ा

गाय

आम

पुस्तक

पर्वत

भेद–3 भाववाचक संज्ञा

गुण भाव दशा कर्म

शत्रुता

आनन्द

बुढ़ापा

बचपन

मित्रता

बुढ़ापा
भाव

उप भेद–1 द्रव्यवाचक संज्ञा

धातु या पदार्थ

सोना

चाँदी

तेल

लकड़ी

उप भेद–2 समूहवाचक/ समुदायवाचक संज्ञा

टीम

कक्षा

सेना

गाँव

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

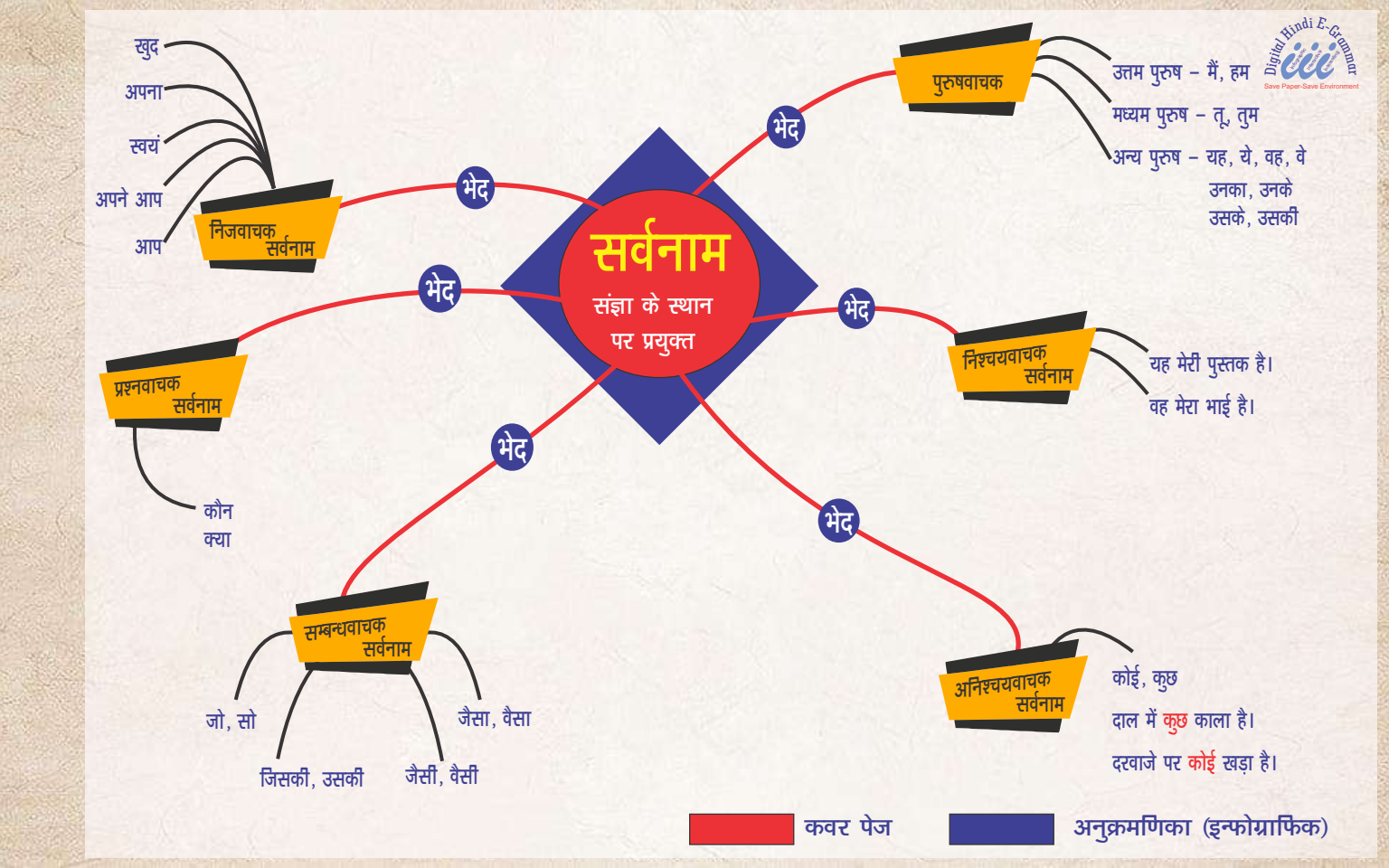
सर्वनाम
संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त
भेद
निजवाचक सर्वनाम
खुद
अपना
स्वयं
अपने आप
आप
पुरुषवाचक
उत्तम पुरुष – मैं, हम
मध्यम पुरुष – तू, तुम
अन्य पुरुष – यह, ये, वह, वे
उनका, उनके
उसके, उसकी
प्रश्नवाचक सर्वनाम
कौन
क्या
निश्चयवाचक सर्वनाम
यह मेरी पुस्तक है।
वह मेरा भाई है।
सम्बन्धवाचक सर्वनाम
जो, सो
जिसकी, उसकी
जैसी, वैसी
जैसा, वैसा
अनिश्चयवाचक सर्वनाम
कोई, कुछ
दाल में कुछ काला है।
दरवाजे पर कोई खड़ा है।
कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

विशेषण
संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता का बोध हो
विशेष्य
संज्ञा और सर्वनाम अर्थात् जिनकी विशेषता बताई जाए
लाल मिर्च – यहाँ मिर्च विशेष्य है।
भेद
परिमाणवाचक विशेषण
निश्चित परिमाणवाचक
चार गज कपड़ा, दस लीटर दूध
अनिश्चित परिमाणवाचक
कुछ आम, थोड़ा पानी कम चीनी, थोड़ा दूध आदि
भेद
गुणवाचक विशेषण
गुण–योग्य, परिश्रम, ईमानदार
दोष–आलसी, बेईमान
रंग–रूप–काला, गोरा
आकार–प्रकार – लंबा, चौड़ा, गोल
स्वाद – खट्टा, मीठा
अवस्था – बलवान, गरीबी
स्थिति – अगला, ऊपरी, गरीब, बीमार
भेद
संख्यावाचक विशेषण
निश्चित संख्यावाचक
एक पुस्तक, दस रुपये
पहला, दूसरा, तीसरा
प्रत्येक, प्रति
चारों, सैंकड़ों
दुगुना, तिगुना
अनिश्चित संख्यावाचक
कुछ
सब
थोड़ा
बहुत
भेद
सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण
यह घर हमारा है
उस व्यक्ति
कोई सज्जन
कौन लोग
जो व्यक्ति
वह बच्चा
प्रविशेषण
विशेषण की विशेषता प्रकट हो
बड़ा भोला
बहुत चतुर
कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

क्रिया

वह शब्द जिससे काम के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।

कर्म के आधार पर

सकर्मक क्रिया (क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है)

एककर्मक
राम ने पत्र लिखा
(एक कर्म)

द्विकर्मक
राम ने राकेश को पुस्तक दी।
(गौण कर्म) (मुख्य कर्म)

अकर्मक क्रिया
(क्रिया का फल कर्ता पर पड़ता है, कर्म का अभाव होता है)
बच्चा रो रहा है।

रचना के आधार पर

सामान्य क्रिया
वाक्य में एक क्रिया हो
राम ने पत्र लिखा।
मोहन गया।

संयुक्त क्रिया
दो या दो से अधिक क्रियाएँ मिलकर एक पूर्ण क्रिया बनाती हैं।
राम रोने लगा।

नाम धातु क्रिया
हाथ–हथियाना
अपना–अपनाना
शर्म–शर्माना
रंग–रंगना

प्रेरणार्थक क्रिया
कर्ता कार्य स्वयं न करके किसी दूसरे से पूर्ण करवाता है।
पढ़वाना, करवाना

पूर्वकालिक क्रिया
मुख्य क्रिया से पूर्व की क्रिया
राम पढ़कर खेलने लगा।
वह खाना खाकर सो गया।

कृदंत क्रिया
जो क्रियाएँ धातु में प्रत्यय लगाकर बनाई जाती हैं
देख + ता = देखता
चल + आ = चला
दौड़ + कर = दौड़कर

कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

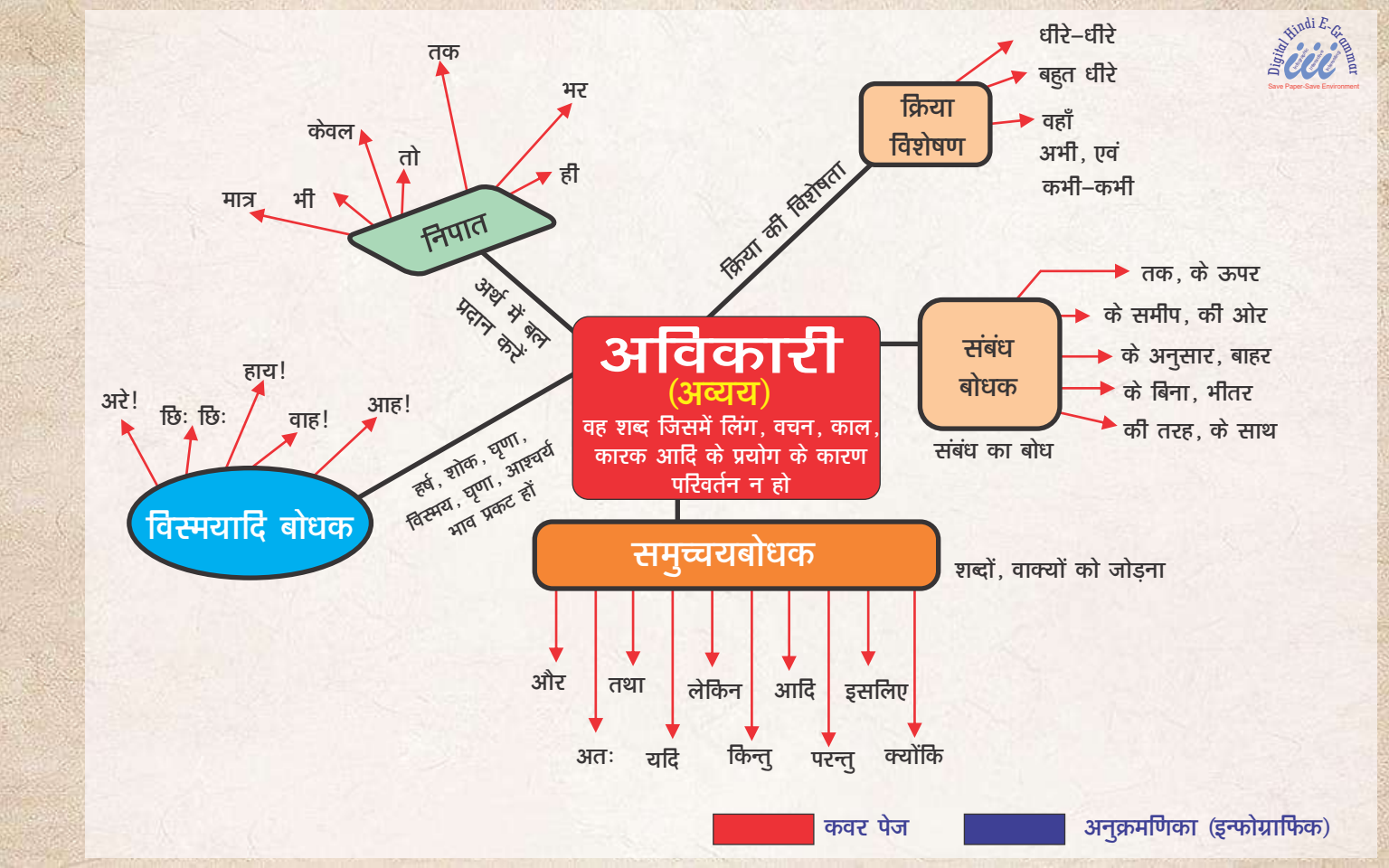
अविकारी
(अव्यय)
वह शब्द जिसमें लिंग, वचन, काल, कारक आदि के प्रयोग के कारण परिवर्तन न हो
निपात
अर्थ में बल प्रदान करें
तक
भर
केवल
तो
ही
मात्र
भी
क्रिया विशेषण
क्रिया की विशेषता
धीरे-धीरे
बहुत धीरे
वहाँ
अभी, एवं
कभी-कभी
संबंध बोधक
संबंध का बोध
तक, के ऊपर
के समीप, की ओर
के अनुसार, बाहर
के बिना, भीतर
की तरह, के साथ
विस्मयादि बोधक
हर्ष, शोक, घृणा, विस्मय, घृणा, आश्चर्य भाव प्रकट हों
अरे!
छिः छिः
हाय!
वाह!
आह!
समुच्चयबोधक
शब्दों, वाक्यों को जोड़ना
और
तथा
लेकिन
आदि
इसलिए
अतः
यदि
किन्तु
परन्तु
क्योंकि
कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

कारक

क्रिया को करने वाला

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

भेद

कर्ता कारक

वह खेल रहा है।
मीना ने आम खाया।

कर्म कारक

राम, रवि को मार रहा है।

अमर सितार बजा रहा है।

करण कारक

'से' साधन के रूप में

बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।

सम्प्रदान कारक

गरीबों को खाना दो।
माँ बेटे के लिए खाना लाई।

अपादान कारक

वह स्टेशन से आया है।
पेड़ से आम गिरा।

'से' जुदा होने के लिए/
अलग होने के लिए

सम्बंध कारक

सीतापुर, मोहन का गाँव है।
राम दशरथ का पुत्र है।

अधिकरण कारक

पानी में मछली है।
पुस्तक मेज पर है।

सम्बोधन कारक

अरे बच्चों!
शोर मत करो

हे ईश्वर! मेरी रक्षा करो

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

उपसर्ग

वह शब्दांश जो मूल शब्द के पूर्व में लगकर, मूल शब्द के अर्थ में परिवर्तन ला दे।

प्र + कार = प्रकार
आ + कार = आकार

संन्यासी = सम् (उपसर्ग)

उपग्रह = उप (उपसर्ग)

संस्कृत के उपसर्ग

प्र ,परा ,अप ,सम्,
अनु ,अव ,निस् ,निर्,
दुस् ,दुर ,ति ,आ,
नि ,अधि ,अपि ,अति,
सु ,उत्/उद् ,अभि ,प्रति,
परि ,उप

दुबला = दु (उपसर्ग)

हिन्दी के उपसर्ग

अति, अधि ,अनु ,अप,
अभि ,अव ,आ ,उत्,
उप ,दुर ,नि ,परा ,परि,
प्र ,प्रति ,वि ,सम् ,सु,
निर् ,दुस् ,निस् ,अपि

हाफ पैंट = हाफ (उपसर्ग)

आगत उपसर्ग

अल, कम, खुश,
ग़ैर, दर ,ना,
फिल/फी, ब,
बा, बद, बे

अंग्रेजी के उपसर्ग

हैड, जनरल, डिप्टी, वाइस,
एक्स, चीफ, हाफ, सब

परिक्रमा = परि (उपसर्ग)

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

प्रत्यय

वह शब्दांश जो मूल शब्द के पश्चात् लगकर उस मूल शब्द के अर्थ को बदल दे, उसे प्रत्यय कहते हैं।
जैसेः– मित्र+ता=मित्रता, दुकान+दार=दुकानदार

कृत प्रत्यय

क्रिया या धातु के अंत में लगने वाले प्रत्यय को कृत प्रत्यय कहते हैं।

लेख + अक = लेखक
ने + अन = नयन
सूख + आ = सूखा
भूल + आ = भूला

लेखक

नयन

तद्धित प्रत्यय

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि के साथ जुड़कर जो प्रत्यय नवीन शब्द बनाते हैं, वे तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

पंडिताइन

सेठ+आनी = सेठानी
पंडित+आइन = पंडिताइन
नौकर+आनी = नौकरानी
मित्र+ता = मित्रता
मधुर+ता = मधुरता
चौड़ा+आई = चौड़ाई

मित्रता

नौकरानी

उर्दू प्रत्यय

उर्दू के कुछ प्रत्यय हिन्दी में भी प्रयोग किए जाते हैं।

जादू+गर =जादूगर
नकल+ची= नकलची
शर्म+नाक=शर्मनाक
दुकान+दार=दुकानदार
पर+इन्दा= परिंदा
पाक+इस्तान = पाकिस्तान।
घूस+खोर = घूसघोर
ईद+गाह = ईदगाह

जादूगर

कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

समास

दो शब्दों के मेल से बना नया शब्द

भेद

1 अव्ययीभाव समास

पहला पद प्रधान व अव्यय

- यथाशक्ति, यथानियम
- आजीवन, आकंठ
- प्रतिदिन, प्रतिपल

2 द्वन्द्व

दोनों पद प्रधान योजक का प्रयोग

- माता–पिता
- पाप–पुण्य
- सुख–दुःख
- ऊँच–नीच
- अमीरी–गरीबी

3 तत्पुरुष समास

कारक चिह्नों का प्रयोग

उपभेद

3(i) कर्मधारय

उपमान–उपमेय
विशेषण–विशेष्य

दूसरा पद प्रधान

- कमलनयन
- चन्द्रमुख
- नीलकंठ
- लाल मिर्च

द्विगु 3(ii)

पूर्वपद संख्यावाची

- पंचवटी
- चारपाई
- अठन्नी
- त्रिवेणी

कर्म तत्पुरुष

'को'
ग्रामगत, स्वर्गप्राप्त

अधिकरण तत्पुरुष

'में, पर'
रणवीर, आप बीती

करण तत्पुरुष

'से द्वारा, के द्वारा
तुलसीकृत
सूरकृत

सम्प्रदान तत्पुरुष

'के लिए'
पाठशाला, रसोईघर

अपादान तत्पुरुष

'से'
ऋणमुक्त
पापमुक्त

संबंध तत्पुरुष

का, के, की
सेनापति, राष्ट्रपिता
राजपुत्र

4 बहुव्रीहि समास अन्य पद प्रधान

- लम्बोदर (गणेश)
- नीलकण्ठ (शिव)
- पीताम्बर (विष्णु)
- दशानन (रावण)

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

वाच्य

(वह वाक्य जिससे यह बोध हो कि क्रिया द्वारा दिए गए विधान का केन्द्र बिन्दु कर्ता है, कर्म है या भाव, उसे वाच्य कहते हैं)

कर्तृवाच्य

- कर्ता प्रधान होता है।
- सकर्मक एवं अकर्मक दोनों क्रियाएं पाई जाती हैं।
- से, द्वारा, के द्वारा का प्रयोग नहीं होता।

राम पुस्तक पढ़ता है।
राम पढ़ता है।

अकर्तृवाच्य

कर्मवाच्य

- कर्म प्रधान होता है।
- सकर्मक क्रिया पाई जाती है।
- से, द्वारा, के द्वारा का प्रयोग होता है।

राम के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है।

भाव प्रधान होता है।

- क्रिया की प्रधानता व निषेधार्थ में प्रयोग होता है।
- अकर्मक क्रिया पाई जाती है।
- से, द्वारा, के द्वारा का प्रयोग होता है।

राम के द्वारा पढ़ा नहीं जाता।
मुझसे चला नहीं जाता।

कवर पेज अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

पदबन्ध

एक से अधिक पद मिलकर व्याकरणिक इकाई का कार्य करते हैं।

सबसे तेज दौड़ने वाला घोड़ा जीत गया।

संज्ञा पदबन्ध

एक से अधिक पद मिलकर संज्ञा का कार्य करें

उदाहरणः– राम ने लंका के राजा रावण को मारा।

सर्वनाम पदबन्ध

एक से अधिक पद मिलकर सर्वनाम का कार्य करें

उदाहरणः– शेर की तरह दहाड़ने वाले आप आज चुप क्यों हो?

विशेषण पदबन्ध

एक से अधिक पद मिलकर संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करें

उदाहरणः– शेर की तरह दहाड़ने वाले आप आज चुप क्यों हो?

क्रिया पदबन्ध

एक से अधिक पद मिलकर क्रिया का कार्य करें

उदाहरणः– नाव नदी में डूबती चली गई।

अव्यय पदबन्ध

एक से अधिक पद मिलकर क्रिया का कार्य करें

उदाहरणः– वह धीरे धीरे चलने लगा।
वह सुबह से शाम तक बैठा रहा।

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

वाक्य

"शब्दों का ऐसा समूह जिससे कहने वाले का अर्थ स्पष्ट हो जाए"
राम पुस्तक पढ़ता है।

वाक्य के खंड

- उद्देश्य
- विधेय

राम दिल्ली जाता है।

राम (उद्देश्य) — दिल्ली जाता है (विधेय)

वाक्य के तत्त्व

- योग्यता
- सार्थकता
- आकांक्षा
- समीपता
- अन्वय
- पदक्रम

रचना की दृष्टि से तीन भेद

- **सरल वाक्य** — राम फुटबाल खेलता है।
- **मिश्रित वाक्य** — यदि मैं परिश्रम करता, तो सफल हो जाता।
- **संयुक्त वाक्य** — मैं आगरा गया और मैंने ताजमहल देखा।

अर्थ की दृष्टि से आठ भेद

विधान वाचक	निषेध वाचक	प्रश्न वाचक	आज्ञावाचक	इच्छावाचक	संकेतवाचक	संदेहवाचक	विस्म्यादिबोधक
बच्चे पढ़ रहे हैं।	बच्चे नहीं पढ़ रहे हैं।	क्या बच्चे पढ़ रहे हैं?	बैठ जाओ।	काश मैं एक राजा होता!	यदि मैं मेहनत करता, तो कक्षा में प्रथम आता।	शायद आज वर्षा हो सकती है!	वाह! क्या सजावट है!

कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

विराम चिह्न

भिन्न-भिन्न प्रकार के भावों और विचारों को स्पष्ट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग वाक्य के बीच या अंत में किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

- अल्पविराम (,)
- अर्द्धविराम (;)
- पूर्णविराम (।)
- उपविराम (:)
- विस्म्यादिबोधक (!)
- प्रश्नवाचक (?)
- कोष्ठक ( )
- योजक चिह्न (–)
- अवतरण/ उद्धरण (‘ ’)
- लाघव चिह्न (०)
- आदेश चिह्न (:–)
- रेखांकन चिह्न (–)
- लोप चिह्न (....)

यदि विराम चिह्न का प्रयोग न किया जाए तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है।
जैसेः- रोको, मत जाने दो।
रोको मत, जाने दो।

कवर पेज अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

रस

काव्य की आत्मा
इसमें आनन्द
की प्राप्ति होती है।

वात्सल्य रस

(वात्सल–स्थाई भाव)
काव्य में बाल क्रीड़ाओं/
लीलाओं का वर्णन

भक्ति रस

ईश्वर के प्रति
(श्रद्धा/प्रेमभाव)

शृंगार रस

(रति–स्थाई भाव)
संयोग–मिलना
वियोग–बिछुड़ना

हास्य रस

(हास्य–स्थाई भाव)
काव्य को पढ़कर हँसी आना

करूण रस

(शोक–स्थाई भाव)
काव्य को पढ़ने पर करुना
व दया भाव आना

रौद्र रस

क्रोध–स्थाई भाव
काव्य को पढ़ने से क्रोध उत्पन्न होना

वीर रस

(उत्साह–स्थाई भाव)
वीरता का भाव उत्पन्न हो

भयानक रस

(भय–स्थाई भाव)
भय उत्पन्न होना

वीभत्स रस

(घृणा/गुस्सा–स्थाई भाव)
घृणा उत्पन्न हो
युद्ध के पश्चात का दृश्य

अद्भुत रस

(आश्चर्य/विस्मय–स्थाई भाव)
काव्य को पढ़ने से आश्चर्य
उत्पन्न होता है

शांत रस

(निर्वेद–स्थाई भाव)
मन में असीम शान्ति मिलती है

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

अलंकार

गहना अथवा आभूषण
'सुन्दरता लाना'

अर्थालंकार
(अर्थ के द्वारा चमत्कार)

रूपक (उपमेय–उपमान में अत्यंत समानता के कारण अभेद हो)

उदाहरण:

" चरण - कमल बंदौ हरिराई। "
यहाँ चरण को ही कमल कहा गया है ।

(उपमेय–उपमान में समानता)
सा, सी, से, सम, सरिस

उदाहरण:

सीता का मुख चन्द्र - सा सुन्दर है।

उत्प्रेक्षा (उपमेय–उपमान में सम्भावना)
मनु, मनो, मानो, मनुहँ, जनु, जनुहँ

उदाहरण:

"कहती हुई यों उत्तरा के, नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानो, हो गए पंकज नए।।"

अतिशयोक्ति (सामान्य सी बात को बढ़ा–चढ़ा कर बताना)

उदाहरण:

" आगे नदिया पड़ी अपार , घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।।"

मानवीकरण (जड़ प्रकृति पर मानवीय चेष्टाओं क्रीड़ाओं का आरोप हो)

उदाहरण:

" मेघ आए बड़े वन - ठन के संवर के ।"

शब्दालंकार
(शब्दों द्वारा चमत्कार)

अनुप्रास (वर्णों की आवृत्ति)

उदाहरण:

चारू चंद की चंचल किरणें
खेल रही थीं, जल-थल में।

यमक (एक शब्द दो बार आए –अर्थ अलग–अलग हों)

उदाहरण:

" काली घटा का घमंड घटा। "
घटा - काले बादल
घटा - कम होना

पुनरूक्तिप्रकाश
(एक शब्द एक ही अर्थ में दो या अधिक बार आऐं)

उदाहरण:

पल-पल, चल-चल

श्लेष (एक शब्द एक बार, अनेक अर्थ प्रस्तुत हों)

उदाहरण:

को घटि ये वृषभानुजा ,वे हलधर के वीर।
वृषभानु + जा = राधा
वृषभ + अनुजा = बैल की बहन
हलधर = हल को धारण करनेवाला।
= बलराम।

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

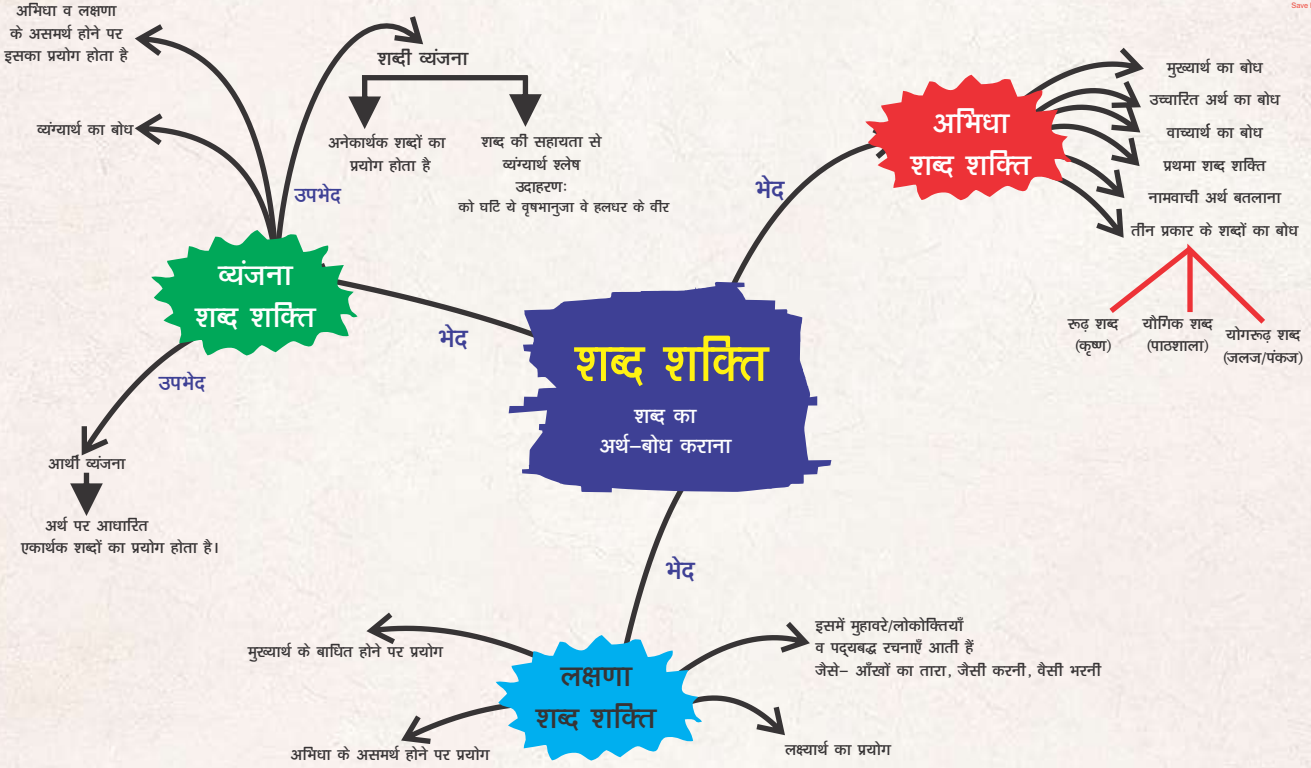

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

कवर पेज
अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

Digital Hindi E-Grammar
Save Paper-Save Environment

उदाहरण
बसों मोरे नैनन में नंदलाल
मोहनी मूरत सांवरी सूरत नैना बने बिसाल।

काव्य गुण

काव्य में आंतरिक सौन्दर्य तथा रस को प्रकाशित करने वाला तत्व

भेद

माधुर्य गुण

- हृदय में मधुरता का संचार
- कर्णप्रिय व मधुर वर्णों का प्रयोग
- शांत, करुण रस

भेद

ओज गुण

- हृदय में ओज, उमंग, उत्साह का संचार
- कठोर संयुक्ताक्षर वर्णों का प्रयोग
- वीर रस, वीभत्स तथा भयानक रस

उदाहरण
बुंदेले हर बोलों के मुख से हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।

भेद

प्रसाद गुण

- निर्मलता/प्रसन्नता
- मन खिल जाए, प्रसन्न हो
- सभी रसों में पाया जाता है
- सरल, सुबोध काव्य

उदाहरण
हे प्रभो आनंद दाता ! ज्ञान हमको दीजिए।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए।

कवर पेज

अनुक्रमणिका (इन्फोग्राफिक)

सम्वर्तक सिंह, HCS
अतिरिक्त निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव,
विद्यालय शिक्षा विभाग,हरियाणा पंचकूला

सम्वर्तक सिंह (HCS) अतिरिक्त निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा पंचकूला
इन्फोग्राफिक हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण का विमोचन करते हुए

हृदय से आभार

मैं अपनी इन्फोग्राफिक, इंटरैक्टिव हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण के प्रथम संस्करण को तैयार करने में उन सभी माननीय हस्तियों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मेरा मार्गदर्शन व निर्देशन किया है।

मैं विशेष रूप से सम्वर्तक सिंह (HCS) अतिरिक्त निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा पंचकूला का आभार प्रकट करना चाहता हूँ। इन्फोग्राफिक हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण को साकार रूप प्रदान करने में आपका मेंटर के रूप में मुझे जो सहयोग मिला है, वह निःसंदेह काबिले तारीफ रहा है। आपके मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप ही आज इन्फोग्राफिक हिन्दी डिजिटल ई-व्याकरण एक मुक्त शैक्षिक संसाधन (OPEN EDUCATIONAL RESOURCE) के रूप में विद्यार्थियों व अध्यापकों तक निःशुल्क पहुँचाने के लिए तैयार हो पाई है। मैंने आपसे बहुत कुछ सीखा है। मैं इन्फोग्राफिक डिजिटल हिन्दी ई-व्याकरण के विमोचन के लिए आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

डॉ॰ विजय कुमार चावला

Digital Hindi E-Grammar

Infographic Interactive Interesting

Save Paper-Save Environment

इन्फोग्राफिक
डिजिटल
हिन्दी ई-व्याकरण

पठन सामग्री

नीला बटन
क्लिक/टच करें

खेल-खेल में आकलन

लाल बटन
क्लिक/टच करें

मुख्य सूची

हरा बटन
क्लिक/टच करें

हिन्दी व्याकरण

- वर्ण-विचार
  शब्द-विचार
  संज्ञा, सर्वनाम
- विशेषण, क्रिया
  अविकारी शब्द (अव्यय),
  कारक
- उपसर्ग, प्रत्यय, संधि
  समास, वाच्य, पदबन्ध
  वाक्य-विचार, विराम चिह्न
- रस, छंद, अलंकार
  शब्द-शक्ति
  काव्य-गुण

प्रथम संस्करण

डॉ० विजय कुमार चावला
हिन्दी प्राध्यापक
030013

''हिन्दी अपनाएं, देश का मान बढ़ाएं''